

JAMSHEDPUR WOMEN'S UNIVERSITY



' Lecture on NEP 2020 '

30th March, 2026

Organisers: NEP Saarthi, JWU

Jamshedpur Women's University Hosts Lecture on NEP 2020

Activity conducted for the month of April 2026.

Jamshedpur Women's University, Sidhgora Campus, organized a lecture on the National Education Policy (NEP) 2020 at the Swarnarekha Auditorium under the initiative of NEP Saarthies.

The program was conducted under the esteemed guidance of Hon'ble Vice Chancellor, Dr. Ela Kumar.

The program began with an introduction to NEP 2020 by NEP Saarthies, followed by a lamp lighting and felicitation ceremony with saplings. The dignitaries included Hon'ble Vice Chancellor Professor Ela Kumar, Registrar Dr. Salomy Kujur, Proctor Dr. Sudhir Kumar Sahu, Key Speaker Dr. Ramaa Subhranian, and NEP Saarthi Coordinator Dr. Sonali Singh.

Dr. Ramaa Subhranian delivered a comprehensive lecture on key components of NEP 2020, including the National Credit Framework, emphasizing academic equivalence, multidisciplinary and experiential learning, and flexible entry-exit options. She elaborated on the Academic Bank of Credits (ABC ID) as a secure and flexible system, enabling students to accumulate, store, and transfer credits through platforms like DigiLocker, ensuring academic mobility and freedom.

She further explained the NEP Curriculum Framework (FYUGP), highlighting holistic and multidisciplinary education, elective choices, internships after the fifth semester, and structured academic progression. Special emphasis was laid on examination regulations, making it mandatory for students to appear in both internal and external assessments, along with the revised attendance policy (5–10 marks) to promote discipline, seriousness, and active participation among students.

An interactive Q&A session was held, followed by the presidential address by Dr. Sudhir Kumar Sahu. The event concluded with a vote of thanks by NEP Saarthies.

The program was attended by Dr. Deepa Sharan, Dr. Kamini Kumari, Dr. Gloria Purti, Dr. Chhagan Lal Agarwal, Dr. Sweta Prasad, Dr. Keya Banerjee, Dr. Shalini Prasad, Dr. Madhushri Priyadarshini, Dr. Bharti Varshney, Dr. Rizwana Peruban, Anita Shukla, Miss Amrita Kumari, Mr. Naresh Kumar Mandal, and Sanchita Guha.

Students from various departments actively participated, making the event holistic and interdisciplinary.

The program was successfully organized by NEP Saarthies under the guidance of Dr. Sonali Singh and proved highly informative for both students and faculty.





DIAGNOSTIC
Quality Trusted Centre)

KIDNEY CARE
Advanced Dialysis Centre
Automobile, Siridungri, Adityapur, Jsr.
8365/7320050911

1. पोस्टल रजिस्ट्रेशन A/F, अन्धकार के सन्तानें संजय उदय मन्त्रालय के लिए मुद्रक प्रकाशक पुष्पी दास द्वारा प्रकाशित तथा की. पी. वर्मन डिप्टिस्ट प्रकाशक, बनारस, प्रमोदी चौक, जयपुर, पूर्वी सिंहपुर, प्रमोदी प्रसाद, उमरसिंह कलिंगी लिमिटेड (अप्रैल 2026 तक प्रकाशक), फोन: संजयसिंह: 6207 234 659, विजयसिंह: 9334621159, प्रसार विभाग- 6207 234 659, ई-मेल: saubhgyabharatlive@gmail.com

और मानवता की रक्षा करने वाली ताकत भी है। उनके इस कदम से न केवल एक निरीक्षक व्यक्ति की जान बची, बल्कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर लोगों का विश्वास भी और मजबूत हुआ। घटना का वीडियो और जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने उनकी जमकर सराहना की। जिस युवक की जान बचाई गई, उसने भी भावुक होकर थाना प्रभारी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके इस साहसिक कदम ने उसकी जिंदगी बचा ली।

इस घटना ने यह संदेश दिया है कि जब पुलिस अपनी वही के साथ ईमानदारी का धर्म निभाती है, तो समाज में सुरक्षा, विश्वास और सौहार्द की भावना स्वतः मजबूत होती है।

LOAN FACILITY AVAILABLE

www.nsuniv.ac.in | f l i n s y u t

जमशेदपुर

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर, 30 मार्च 2026। जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के सिमगोड़ा परिसर स्थित स्वर्णरेखा ऑडिटोरियम में एनआईपी सार्वजनिक तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनआईपी) 2020 पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम माननीय कुलपति डॉ. इला कुमार के गरिमामयी मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत एनआईपी सार्वजनिक तत्वावधान में एनआईपी 2020 की संक्षिप्त जानकारी के साथ हुई, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं रोमण कर मेहनतों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सलोमी कुजूर, प्रोक्टर डॉ. सुवीर कुमार साहू, मुख्य वक्ता डॉ. रमा सुप्रानियन तथा एनआईपी सार्वजनिक तत्वावधान में डॉ. सोनली सिंह सहित कई गरिमामय शिक्षाविद उपस्थित रहे।

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

मुख्य वक्ता डॉ. रमा सुप्रानियन ने NEP 2020 के प्रमुख घटकों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अंतर्गत शैक्षणिक समानता, बहुविषयक एवं अनुभववात्मक शिक्षण तथा मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने एकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट (ABCID) की उपयोगिता बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से छात्र अपने शैक्षणिक क्रेडिट को सुरक्षित रूप से संचित एवं स्थानान्तरित कर सकते हैं, जिससे शिक्षा प्रणाली अधिक लचीली और सुलभ बनती है। उन्होंने NEP पाठ्यक्रम (FYUGP) के तहत समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा, ऐच्छिक विषयों के चयन, पौष्टिक सोमेटिक के बाद अनिवार्य इंटरशिप तथा शैक्षणिक प्रगति की संरचना पर भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही परीक्षा संबंधी नियमों में आंतरिक एवं बाह्य दोनों परीक्षाओं में शामिल होना आवश्यक बताया गया। संशोधित उपस्थिति नीति (5-10 अंक) के माध्यम से छात्रों में अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बहुरंगीन चर्चाएं कीं और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इससे पश्चात प्रोक्टर डॉ. सुवीर कुमार साहू ने अध्यक्षीय संकेत देते हुए NEP 2020 को शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल बताया। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को समग्र एवं अंतर्विषयी स्वरूप प्रदान किया। एनआईपी सार्वजनिक तत्वावधान में डॉ. सोनली सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह व्याख्यान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।



शुरुआत में डॉ. सुवीर कुमार साहू ने कार्यक्रम का उद्देश्य और महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने NEP 2020 के प्रमुख घटकों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अंतर्गत शैक्षणिक समानता, बहुविषयक एवं अनुभववात्मक शिक्षण तथा मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने एकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट (ABCID) की उपयोगिता बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से छात्र अपने शैक्षणिक क्रेडिट को सुरक्षित रूप से संचित एवं स्थानान्तरित कर सकते हैं, जिससे शिक्षा प्रणाली अधिक लचीली और सुलभ बनती है। उन्होंने NEP पाठ्यक्रम (FYUGP) के तहत समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा, ऐच्छिक विषयों के चयन, पौष्टिक सोमेटिक के बाद अनिवार्य इंटरशिप तथा शैक्षणिक प्रगति की संरचना पर भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही परीक्षा संबंधी नियमों में आंतरिक एवं बाह्य दोनों परीक्षाओं में शामिल होना आवश्यक बताया गया। संशोधित उपस्थिति नीति (5-10 अंक) के माध्यम से छात्रों में अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बहुरंगीन चर्चाएं कीं और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इससे पश्चात प्रोक्टर डॉ. सुवीर कुमार साहू ने अध्यक्षीय संकेत देते हुए NEP 2020 को शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल बताया। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को समग्र एवं अंतर्विषयी स्वरूप प्रदान किया। एनआईपी सार्वजनिक तत्वावधान में डॉ. सोनली सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह व्याख्यान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

जमशेदपुर में NEP 2020 पर व्याख्यान, शिक्षा के नए स्वरूप पर हुई विस्तृत चर्चा

“अप्रैल फूल नहीं, अप्रैल कूल दिवस” पौधरोपण के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



जुलुमतांड (गमहरिया), 1 अप्रैल 2026। जहाँ एक ओर 1 अप्रैल को आमतौर पर अप्रैल फूल दिवस के रूप में मनाया जाता है, वहीं संस्कारोदय अकादमी, संत कबीर सेवा संस्थान तथा 11 आवसों के बोर्डिंग स्कूल एवं होस्टल के संयुक्त तत्वावधान में इसे एक नई सोच के साथ “अप्रैल कूल दिवस” के रूप में मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के निदेशक एवं ‘ऑफिसीयल मैन’ डॉ. दिग्विजय भारत ने किया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं बच्चों ने मिलकर पौधरोपण किया और घरती को हरियाली का सुंदर उपहार दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, महती, माही सहित सभी स्कूली बच्चों उपस्थित रहे।

सकारात्मक सोच और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। डॉ. दिग्विजय भारत ने बच्चों को पौधरोपण के प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा दी तथा विश्व में शांति और युद्धविराम के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा कि—“यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो घरती को टंडक, शुद्ध हवा और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिल सकता है।” यह आयोजन बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक जीवन मूल्यों को विकसित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। मौके पर सुनील सरदार, कोशल कुमारी, सोनालिका महतो, माही सहित सभी स्कूली बच्चों उपस्थित रहे।

सकारात्मक सोच और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। डॉ. दिग्विजय भारत ने बच्चों को पौधरोपण के प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा दी तथा विश्व में शांति और युद्धविराम के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा कि—“यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो घरती को टंडक, शुद्ध हवा और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिल सकता है।” यह आयोजन बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक जीवन मूल्यों को विकसित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। मौके पर सुनील सरदार, कोशल कुमारी, सोनालिका महतो, माही सहित सभी स्कूली बच्चों उपस्थित रहे।

रामनवमी पर बलिया समिति की बैठक, सौ

सिंदरी (बनबाद)। रामनवमी पर्व के दौरान अंचल में हुई पखरबाजी की घटना के बाद ‘सामान्य बनाए रखने और आपसी सौहार्द कायम’ उद्देश्य से मंगलवार को बलियापुर थाना परिसर समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कुमार के निदेश पर आयोजित हुई। गौरतलब है कि 27 मार्च 2026 को रामनवमी के निकाली गई धार्मिक शोभायात्रा के दौरान पंचौक पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पखरबाजी सामने आई थी। सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत हुआ और भीखारपुर चौक, हटिया मोड़, बाजार सहित करीब एक फिलोमीटर क्षेत्र में घातहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी, जिसे सिर्फ

सौभाग्य

चाँदसी क्लिनिक

1978 से स्वास्थ्य सेवा का प्रतिबद्ध

S/O - Late Dr. J. C. Bhowra

गार्टी के साथ बिना चोट काट काट

हाइड्रोसिल (पौधा/पकविला), खूनी-वादी बवासीर, अर्बुद, गुच्छा टोनों का हटिया इलाज

विगत 45 वर्षों से किया जा रहा है